

СУБҲОН ҶАЛИЛОВ

سبحان جلیلاو

**61 АЛАМИ
БЕМОДАРӢ**

۱۶ الم بی مادری

Душанбе-2019

**ББК 84 тоҷик 7-5+82,3 (2 тоҷик)+83,3 тоҷик
Қ-26**

Муҳаррирон:
Ворис
Сайёд Гаффор

Субҳон Ҷалилов
61 алами бемодарӣ. Душанбе, 2019, 126 сах

“61 алами бемодарӣ” шасту як дарди дил, шасту як оташи чонсӯзи
чудой аз модар аст. Ишқи модар, ёди модар, меҳри модар дар
дили фарзанд чӯби алам гаштаву қомати шеър шуда. Ин ҳақиқат
аз ин маҷмӯа ошқор мегардад, ки модар бихишти фарзанд аст ва
алами бемодарӣ хати сиёҳи сарнавишт.

ISBN 978-99975-349-8-9

© Субҳон Ҷалилов, 2019

Дар ғимм хок эл ғимм маъзуни оҷа,
 Дар ғимм мо сарғ тамм афзуни оҷа,
 Дар ғимм хок нолақои раша даста,
 Дар ғимм мо бонти пуғ аз кунни оҷа,
 Дар ғимм хок ошмбони бабори баск,
 Дар ғимм мо машқи чун Маҷнунни оҷа,
 Дар ғимм хок нури моқи Дамил Мақтоб,
 Дар ғимм мо ашқи чун Ҷайқунни оҷа,
 Дар ғимм маб ақои мақ дар сани хотир,
 Дар ғимм мо ҳомати маъзуни оҷа,
 Дар ғимм муз ғитарон дар банқи сарват,
 Дар ғимм мо фикири эл нохунни оҷа,
 Дар мабди қат ҷоли шимташ сарду хай,
 Дар мабди мо ҷоли оду кунни оҷа,
 Дар сари рақ нақаш поёи ғаррмандаш,
 Дар сари тор курташ гунгунни оҷа...

Абдуқон Ҷаммоб

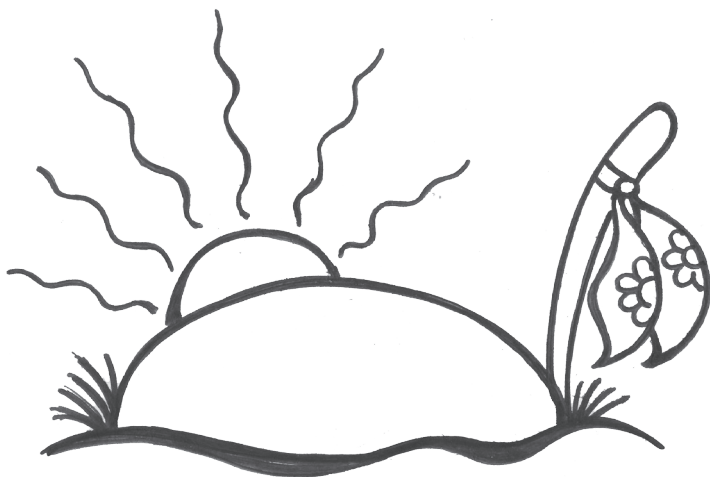
3.10.2018

Э. Ҷ. Ҷ

Эй хок, ки мочарои мо бар сари туст,
Сад нолаи зор ба беҳи гӯши кари туст.
Бистар бишаву болини ноз аз пари қӯ,
К-ин очаи нозанини мо дар бари туст.



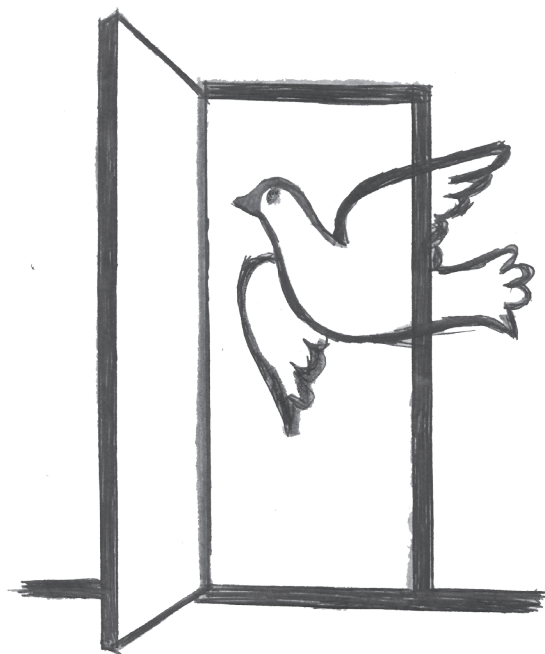
ای خاک، که ماجرای ما بر سر توست،
صد ناله زار به بیخ گوش کر توست.
بستر بشو و بالین ناز از پر قو،
ک-این آچه نازنین ما در بر توست.



Ҳар гаҳ, ки маро хумори модар гирад,
Як даста алов рӯйи дилам дар гирад.
Эй кош, ки умри рафта боз ояду боз
Модар ояд, зиндагӣ аз сар гирад.



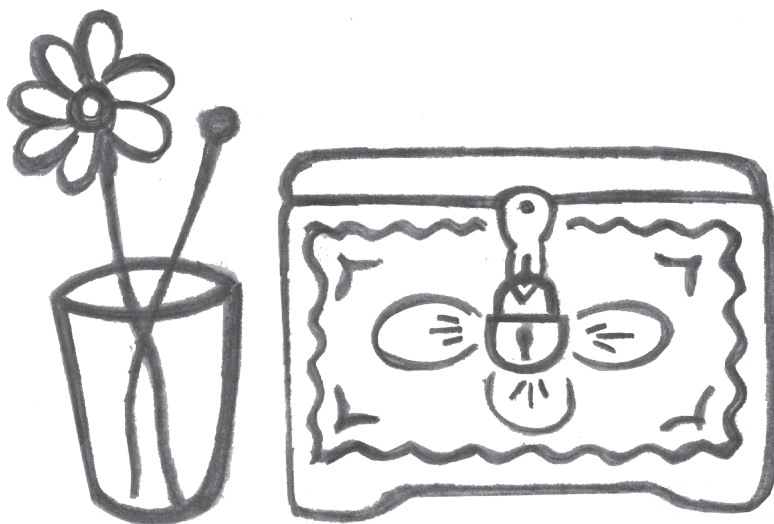
هر گه، که مرا خمار مادر گیرد،
یک دسته الاو روی دلم در گیرد.
ای کاش، که عمر رفته باز آید و باز
مادر آید، زندگی از سر گیرد.



*Аз модари ман хотира ангуштар монд,
Чанд аксу навору ёду чашми тар монд.
Ду бугчаи гам ба сандуқи чӯби чинор,
Се додари ду хоҳараки музтар монд.*



از مادر من خاطره انگشتر مانند،
چند عکس و نوار و یاد و چشم تر مانند.
دو بغچهٔ غم به صندوق چوب چنار،
سه دادر و دو خواهرک مضطر مانند.



*Аз модари ман хотираҳо як гарам аст,
Дил аз гами бемодариҳо пуралам аст.
Аз чист, ки рафтаву наёмад зи сафар?
Оё ки ҳанӯз ҳарду пояи варам аст?!*



از مادر من خاطره‌ها یک گرم است،
دل از غم بی‌مادریها پرالم است.
از چیست، که رفته و نیامد ز سفر؟
آیا که هنوز هر دو پایش ورم است؟!



*Аз дарди фироқ ашқи мо селоб аст,
Ин нохуни ғам ба чеҳраи маҳтоб аст.
Чун одати духтари Қаландар, очам,
Дар поғаҳи қалғаҳои сангин хоб аст.*



از درد فراق اشک ما سیلاب است،
این ناخن غم به چهره مهتاب است.
چون عادت دختر قلندر، آچم،
در پاگه قلعه‌های سنگین خواب است.



Дар хонаи мо навҳаи зори хоҳар,
Печида танаи зи гуссаҳо бо чодар
Дар сарғаҳи раҳ ҷойи нишастаи холӣ,
Дар охири раҳ мазори поки модар.



در خانه ما نوحه زار خواهر،
پیچیده تنش ز غصّهها با چادر.
در سرگه ره جایی نشستش خالی،
در آخر ره مزار پاک مادر.



*Барги гули ғам рехт ба рӯи чодар
Бар тақдири пешонӣ намудам бовар.
Дар ҳавлии мо ду тан кунун танҳоянд:
Он як падару дигар асои модар*



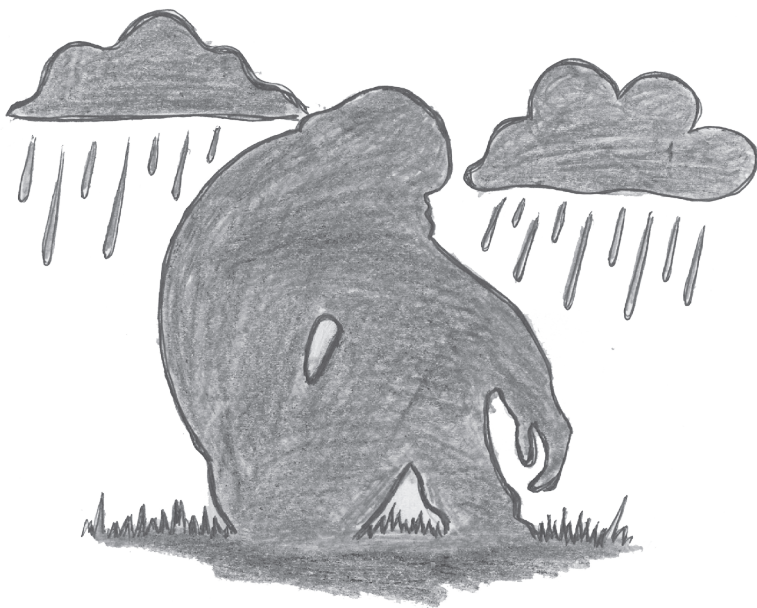
برگ گل غم ریخت به روی چادر،
بر تقدیر پیشانی نمودم باور.
در حولی ما دو تن کنون تنهائیند:
آن یک پدر و دیگر عصای مادر.



*Аз дасти мо наомад, рафъи зиёнат, оча,
Малҳам ба дарди пову дасту миёнат, оча.
Дар пеши дардат, оча, мондем зору ҳайрон,
Моро забон гирифта андар баёнат, оча.*



аз دست ما نیامد، رفع زیانت، آچه،
ملحم به درد پا و دست و میانت، آچه.
در پیش دردت، آچه، ماندیم زار و حیران،
ما را زبان گرفته اندر بیانت، آچه.



*Ку нони гарми ширмол, монанди нони оча?
Ку суҳбати шакаррез дар гирди хони оча?
Войи надидаҳояш, э войи бахти тира,
Ку ҷони тоза монам бар ҷойи ҷони оча?*



کو نان گرم شیرمال، مانند نان آچه؟
کو صحبت شکررّیز در گرد خوان آچه؟
وایی ندیده‌هایش، ای وایی بخت تیره،
کو جان تازه مانم، بر جایی جان آچه؟



Маҳтоби Дашти маҳтоб чун косаи пуроб аст,
Бо оча бахти комил, бе очагӣ азоб аст.
Кай лоақал ба хобам ойиву оча, бинӣ,
Субҳони бачаат боз дар зонуи ту хоб аст.



مهتاب دشت مهتاب چون كاسه پرآب است،
با آچه بخت كامل، بی آچگی عذاب است.
کی لااقل به خوابم آیی و آچه، بینی،
سبحان بچہات باز در زانو تو خواب است.



Дар пеши рӯ Ҳанӯзам чаими нами ту, модар,
Аз дӯши мо наафтад бори гами ту, модар.
Ҷуброни шири покат аз умри мо гирифта,
Ё Раб, чаро наафзуд, умри ками ту, модар?



در پیش رو هنوزم چشم نم تو، مادر،
از دوش ما نهافتد بار غم تو، مادر.
جبران شیر پاکت، از عمر ما گرفته،
یا رب، چرا نهافزود، عمر کم تو، مادر؟



*Кай мерасамо ба роҳи дурат, модар?
Кай мебинамо рӯи ба нурат модар?
Рафтиву зи оби дидаам қад бикашид,
Ду арча алам ба рӯи гӯрат, модар.*



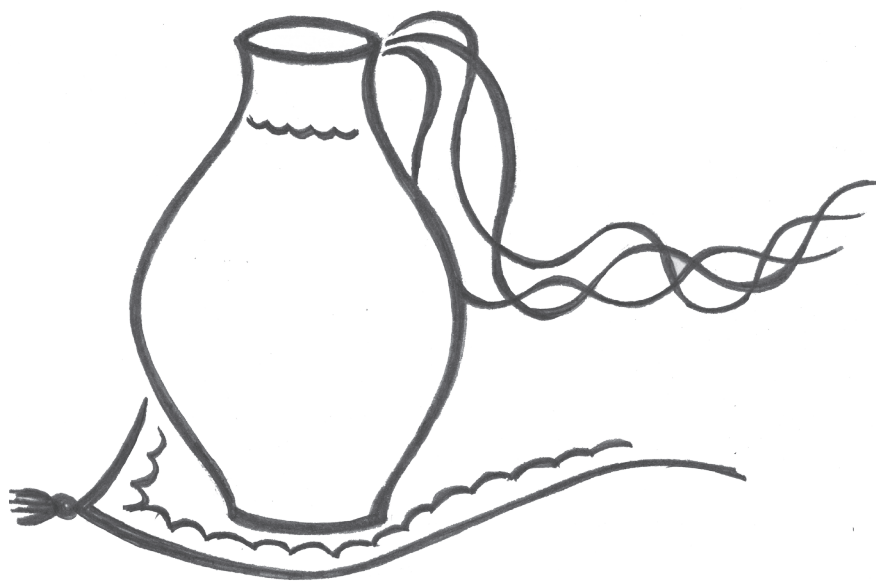
کی می رسما به راه دورت، مادر؟
کی می بینما روی به نورت مادر؟
رفتگی و ز آب دیده ام قد بکشید،
دو ارچه الم به روی گورت، مادر.



*Дар сина диле лаболаби гам дорам,
Як умр зи рафтани ту мотам дорам.
Аз дарду фироқ оча, дорам серӣ,
Аз ганҷи ҷаҳон фақат туро кам дорам.*



در سینه دلی لبالب غم دارم،
یک عمر ز رفتن تو ماتم دارم.
از درد و فراق آچه، دارم سیری،
از گنج جهان فقط ترا کم دارم.



*Аз шарбати ғам лаболаб ин ҷоми ман аст,
Талх аст дигар ҳар он чи бар коми ман аст.
Ҳам рафтаву ҳам намеравад модари ман,
Чун як малаке ба гӯшаи боми ман аст.*



از شربت غم لبالب این جام من است،
تلخ است دیگر هر آن چه بر کام من است.
هم رفته و هم نمی رود مادر من،
چون یک ملکی به گوشه بام من است.



*Як роҳрави миёни роҳ, модари ман,
Дар дил аламу ҳасрату оҳ, модари ман.
Чун омада буд фасли пойизу бирафт,
Рӯ рӯйи хазони тирамоҳ, модари ман.*



یک راهرو میان راه، مادر من ،
در دل الم و حسرت و آه، مادر من .
چون آمده بود فصل پاییز و برفت ،
رو روی خزان تیره ماه، مادر من .



Аз роҳи мазори туст з-ин пас раҳи ман,
Ҳам субҳ ба ёдам ойӣ ҳам бегаҳи ман.
Ҳамчун дили мо ҷойи нишастат холист,
Ҷойи қадамат, оча, зиёратгаҳи ман.



از راه مزار توست ز-این پس ره من،
هم صبح به یادم آیی هم بیگه من.
همچون دل ما جای نشستت خالی است،
جایی قدمت، آچه، زیارتگه من.



*Кас нест ба меҳрубониҳо ҳамтоят,
Кас беш намекунад ҳама камҳоят.
Ин қомати ман шикасту қомат афрохт,
Андар дили ман ҳайкали он гамҳоят.*



کس نیست به مهربانیه‌ها همتایت،
کس بیش نمی‌کند همه کمه‌هایت.
این قامت من شکست و قامت افراخت،
اندر دل من هیکل آن غم‌هایت.



*Аз ишқи ту шуд сиришта обу гили ман,
Аз меҳри ту, оча, гармии манзили ман.
Он боди вазони хамгаҳи Файзобод,
На руфту на бурд гарди гам аз дили ман.*



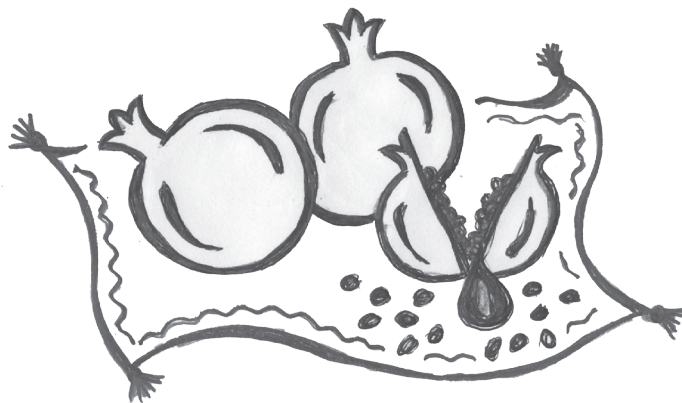
از عشق تو شد سرشته آب و گل من،
از مهر تو، آچه، گرمی منزل من.
آن باد وزان خمگه فیض آباد،
نه روفت و نه برد گرد غم از دل من.



Он рӯз, ки оча аз канорам мерафт,
Аз пайкари ман зӯру мадорам мерафт
Чун одати кӯдакии худ, модари ман,
Аз домани момаи Анорам мерафт.



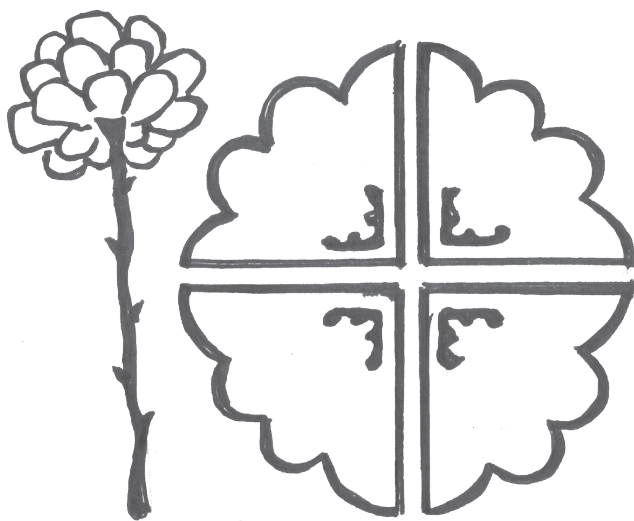
آن روز، که آچه از کنارم می‌رفت،
از پیکر من زور و مدارم می‌رفت.
چون عادت کودکی خود، مادر من،
از دامن مامۀ انارم می‌رفت.



*Рӯзе, ки дилат, оча зи кор ногаҳ монд,
Музтар ҳама фарзанди ту дар ногаҳ монд.
Умеди шифо бирафт бо рафтани ту,
Як халтача дору бар лаби ҷогаҳ монд.*



روزی، که دلت، آچه ز کار ناگه ماند،
مضطر همه فرزندان تو در پاگه ماند.
امید شفا برفت با رفتن تو،
یک خلتچه دارو بر لب جاگه ماند.



*Дигар кай бишнавам ҳарфи шакаррез?
Кӣ бедорам қунад вақти саҳархез?
Ба дидан рафта, очам боги Ҷаннат,
Шамидан рафта гулҳои Маровез.*



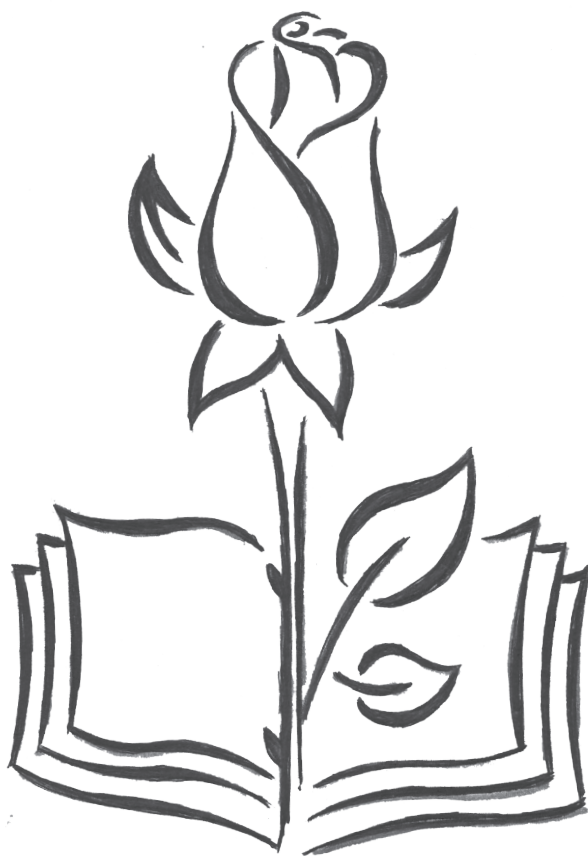
دیگر کی بشنوم حرف شکرّیز؟
که بیدارم کند وقت سحرخیز؟
به دیدن رفته، آچم باغ جنّت،
شمیدن رفته گلهای مراویز.



Дар хонаи мо зи нав баҳор мешуда бошад?
Дар шоҳаи гул қумрӣ қатор мешуда бошад?
Чун бахти баланди мардуми модардор,
Ин чеҳраи мо ранги анор мешуда бошад?



در خانه ما ز نو بهار می شده باشد؟
در شاخه گل قُمری قطار می شده باشد؟
چون بخت بلند مردم مادر دار،
این چهره ما رنگ انار می شده باشد؟



*Аз рафтани ганҷи мушкбез гирия кунам,
Бо дидани хеши ашкрез гирия кунам.
Ҳар гаҳ, ки хумори оча то хона барад,
Аз гардиши деҳи Кабкрез гирия кунам.*



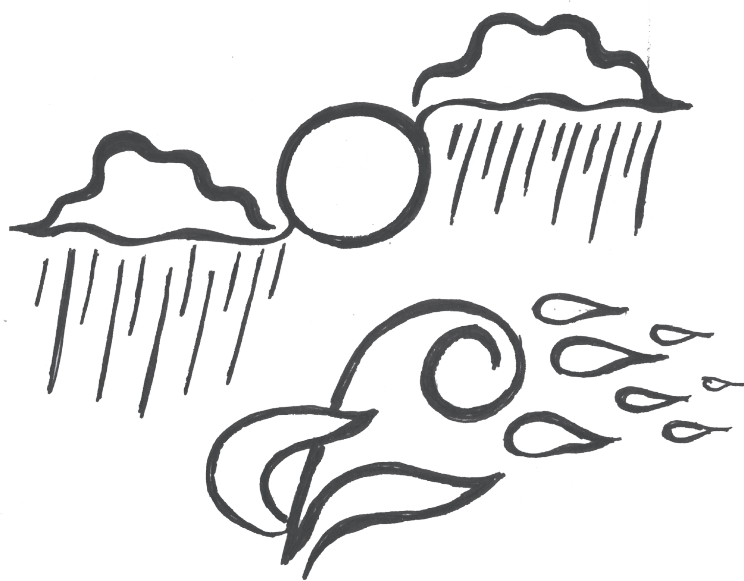
از رفتن گنج مشکبیز گریه کنم،
با دیدن خویش اشکریز گریه کنم.
هر گه، که خمار آچه تا خانه برد،
از گردش دیه کبکریز گریه کنم.



Бори гами ту нишаста дар шонаи ман,
Эй очаи чун гавҳари якдонаи ман.
Ҳамчун алами покиву чун чодари ёд,
Рӯймоли сарат нишона дар хонаи ман.



بار غم تو نشسته در شانه من،
ای آچه چون گوهر یکدانه من.
همچون الم پاکی و چون چادر یاد،
رویمال سرت نشانه در خانه من.



Чӣ буд он сирри чаимони нами ту?
Чӣ асроре дар он умри ками ту?
Ту мегуфтӣ, ки “Субҳон бе ҳирик аст...”
Намурдам ман, ки мурдам аз ғами ту.



چه بود آن سر چشمان نم تو؟
چه اسراری در آن عمر کم تو؟
تو می‌گفتی، که “سبحان بی هریک است...”
نمردم من، که مُردم از غم تو.



Чашимам зи хуморат, оча нам хоҳад шуд,
Кай бори ғамат зи шона кам хоҳад шуд?
Сармоҷи ман ду бастаи коғазу лек,
Ғамҳои ту сад китоб алам хоҳад шуд.



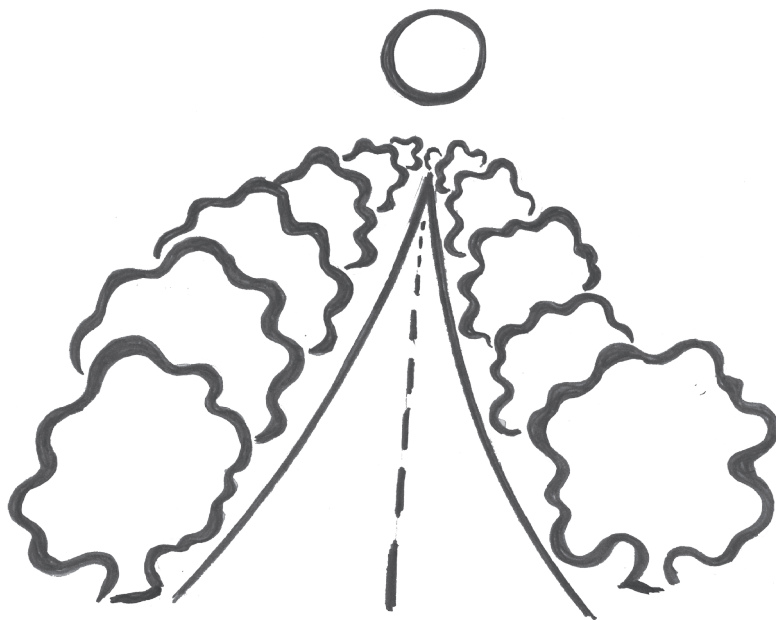
چشمم ز خمارت، آچه نم خواهد شد،
کی بار غمت ز شانه کم خواهد شد؟
سرمایه من دو بسته کاغذ و لیک،
غمهای تو صد کتاب الم خواهد شد.



Дар деҳа касе нест, ки пазмони ман аст,
Очам чу малак дигар ниғаҳбони ман аст.
Не бар сари роҳу хонаву бар лаби кат
Дар зеҳни ману қалби ману ҷони ман аст.



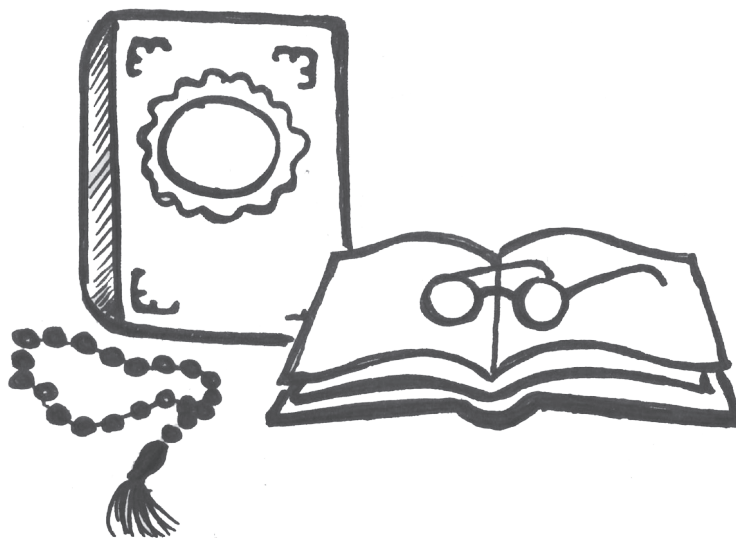
در دیهه کسی نیست، که پزمان من است،
آچم چو ملک دیگر نگهبان من است.
نه بر سر راه و خانه و بر لب کت،
در ذهن من و قلب من و جان من است.



*Дар хона туро, оча ҳама пазмон аст,
Нони рӯйи ту напухта дар чакдон аст.
Дар гӯш азони субҳу дар лаб такбир,
Тасбеҳи ту рӯйи ҷонамоз ҳайрон аст.*



در خانه ترا، آنچه همه پزمان است،
نان روی تو نپخته در چکدان است.
در گوش اذان صبح و در لب تکبیر،
تسبیح تو روی جانماز حیران است.



*Эй пайкари меҳр, бар заминӣ ту, дарег,
Афтида зи бахти мо нигини ту дарег
Дур аз бари ту ба ҷустани рӯзии худ,
Нашинда насиҳати пасини ту, дарег.*



ای پیکر مهر، بر زمینی تو، دریغ،
افتیده ز بخت ما نگین تو دریغ.
دور از بر تو به جستن روزی خود،
نشنیده نصیحت پسین تو، دریغ.



Он моҳи ҳаво хона лаби бом накунад,
Ин мурғи асир ёди раҳи дом накунад.
Не таскину меросу на тақдиру насиб,
Эй оча, маро ягон чи ором накунад.



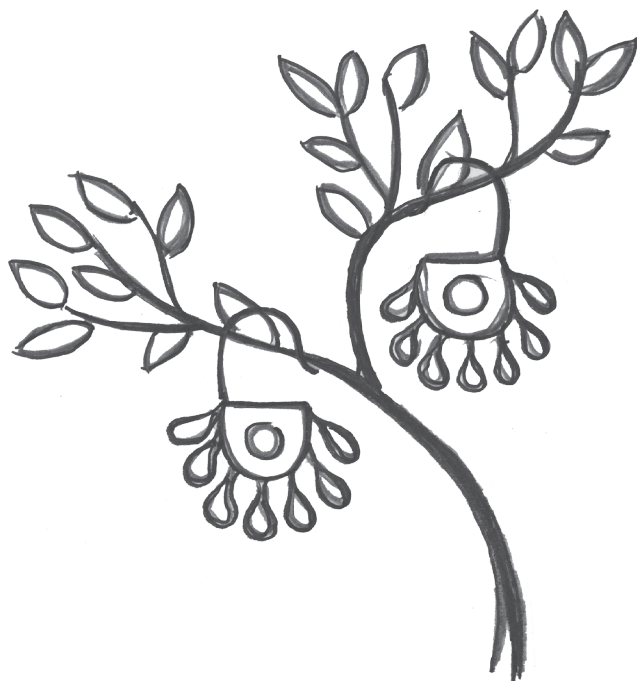
آن ماه هوا خانه لب بام نکند،
این مرغ اسیر یاد ره دام نکند.
نه تسکین و میراث و نه تقدیر و نصیب،
ای آچه، مرا یگان چه آرام نکند.



*Рӯймоли сарат ба навдаи гелос аст,
Хунишор дилам чу захми аз алмос аст.
Як хона алам дар дили ту дар дили хок,
Як бугчаи гам дар дили ман мерос аст...*



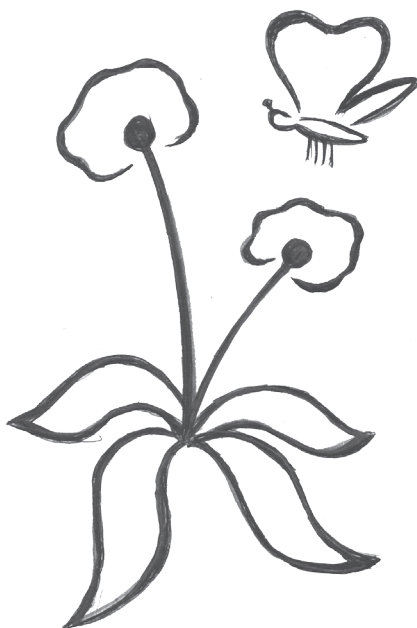
رويمال سرت به نودة گيلاس است،
خونشار دلم چو زخم از الماس است.
يك خانه الم در دل تو در دل خاک،
يك بغيچه غم در دل من ميراث است.



*Равшан раҳам аз нури чароғат, модар,
Муҳре ба ҷигар зи дарду доғат, модар.
Як кӯча занак хуморию суҳбати ту,
Як хона набера дар суроғат, модар.*



روشن رهم از نور چراغت، مادر،
مهري به جگر ز درد و داغت، مادر.
يك كوچه زنك خماری صحبت تو،
يك خانه نبیره در سراغت، مادر.



*Рӯймоли сафед гирди сарат зебанда,
Он муҳраи чашми барат зебанда.
Ҳар гаҳ, ки маро гусел кунӣ аз хона,
Ду даст ба дуо неши дарат зебанда.*



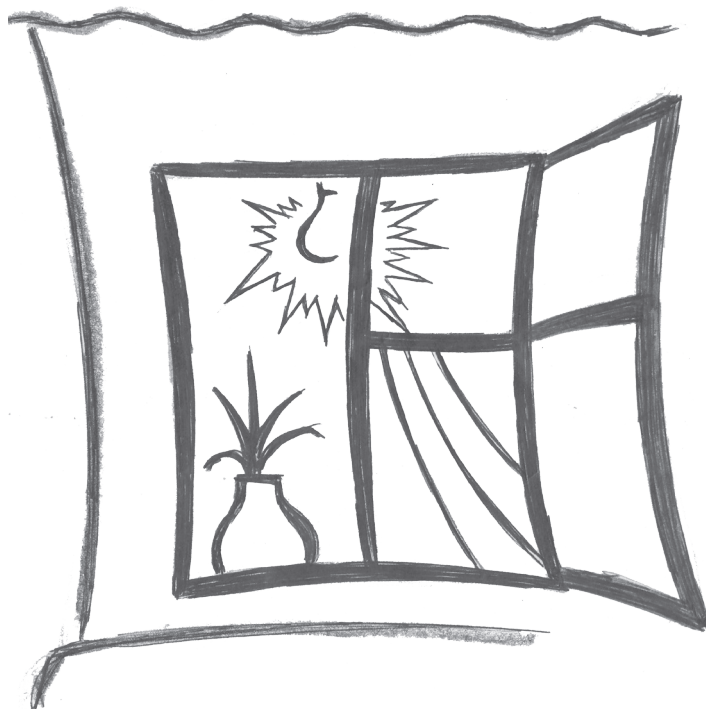
رويمال سفيد گرد سرت زينده،
آن مُهره چشمی برت زينده.
هر گه، که مرا گسيل کنی از خانه،
دو دست به دعا پيش درت زينده.



*Зи ту холиву беранг аст, сари роҳат, аё модар,
Маро кай меравад аз ёд, гаму оҳат, аё модар?
Накардам хидмате лоиқ ба қадри ду шабат акнун,
Ду рақъат нафл мехонам ба арвоҳат, аё модар.*



ز تو خالی و بی‌رنگ است، سر راهت، ایا مادر،
مرا کی می‌رود از یاد، غم و آهت، ایا مادر؟
نکردم خدمتی لایق به قدر دو شبت اکنون،
دو رکعت نفل می‌خوانم به ارواحت، ایا مادر.



Ба ёдат чашми ман нам, модари ман,
Фақат дорам туро кам, модари ман.
Дилам бигрифта з-он ки буд ба олам,
Дилат чун бугчаи гам, модари ман.



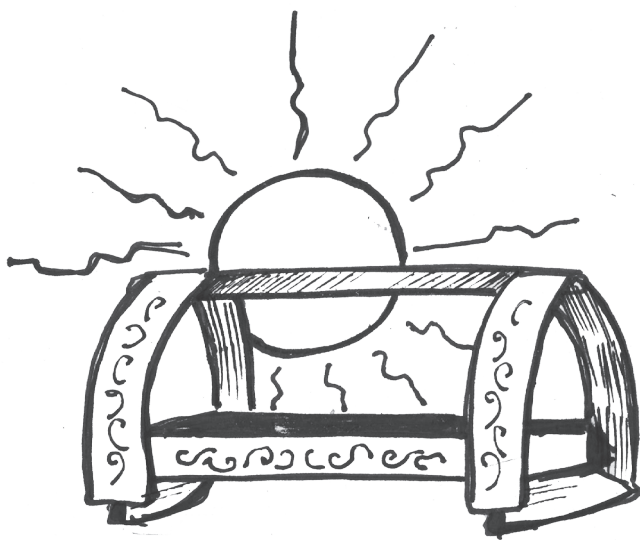
به يادت چشم من نم، مادر من،
فقط دارم ترا کم، مادر من.
دلّم بگرفته زانکه بود به عالم،
دلّت چون بغچه غم، مادر من.



Дар фикри ту буд, оча, бешу ками ман,
Ин гардани гаҳ баланду гоҳе хама ман.
Афсурдаву дилфигору беморат кард,
Як сӯ гама зиндагиву як сӯ гама ман.



در فکر تو بود، آچه، بیش و کم من،
این گردن گه بلند و گاهی خم من.
افسرده و دلفگار و بیمار ت کرد،
یک سو غم زندگی و یک سو غم من.



*Кӣ малҳами доғи синаи чок орад?
Кӣ оча, паём зи равзаи пок орад?
Пайке зи ту кай биёрад он номарасон,
Кай бӯйи туро шамоли Элок орад?*



که ملهم داغ سینه چاک آرد؟
که آچه، پیام ز روضه پاک آرد؟
پیکی ز تو کی بیارد آن نامهرسان،
کی بویی ترا شمال ایلاک آرد؟



Ман мемирам, оча, дар дили садрешат,
Бе ту чӣ кунад бачаҳаки дарвешат?
Рафтиву дилам холиву дунё холӣ,
Ё хезу биё, ё ки маро бар пешат.



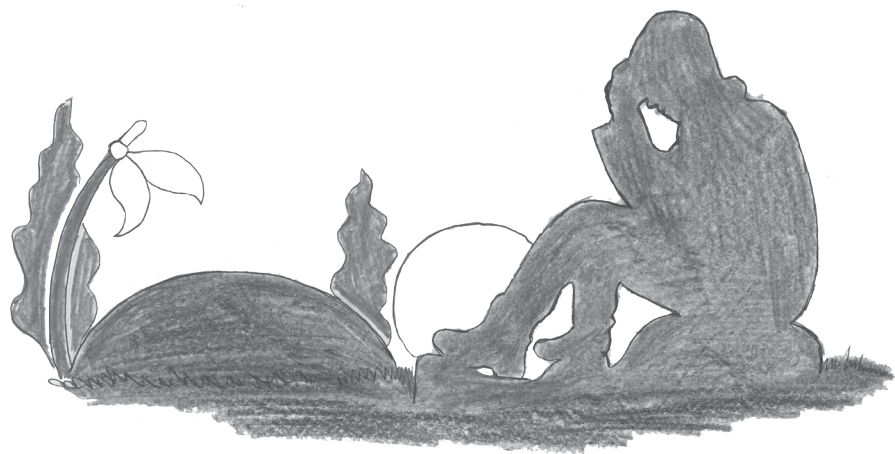
من می میرم، آچه، در دل صدریشت،
بی تو چه کند بچهک درویشت؟
رفتى و دلم خالى و دنیا خالى،
یا خیز و بیا، یا که مرا بر پیشت.



Бо худ зи туву зи худ ривоят созам,
Пеши кӣ зи қисматам шикоят созам?
Ғун карда ба сина алами чилсола,
Оям сари гӯрату ҳикоят созам.



با خود ز تو و ز خود روایت سازم،
پیش که ز قسمتم شکایت سازم؟
غن کرده به سینه الم چل ساله،
آیم سر گورت و حکایت سازم.



*Ғамҳои ту як ба як китобат нашавад,
На зораву на дуо иҷобат нашавад.
Беочағӣ дарди лоилоҷ асту гарон,
Сад сол гузарад дигар табобат нашавад.*



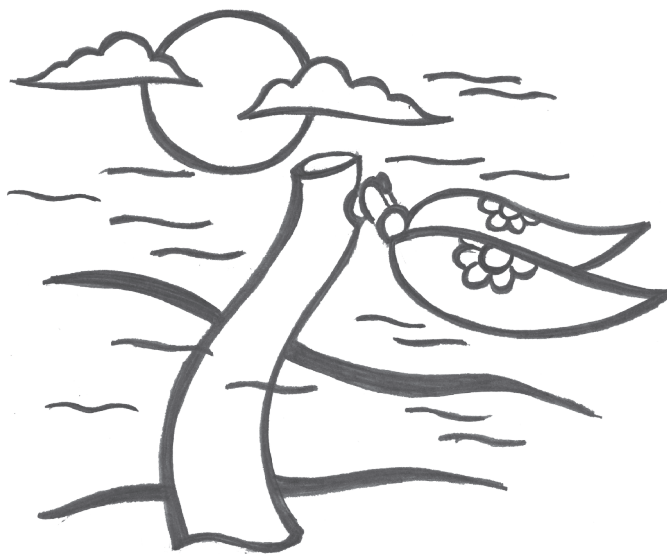
غمهای تو یک به یک کتابت نشود،
نه زاره و نه دعا اجابت نشود.
بیاچگی درد لاعلاج است و گران،
صد سال گذرد دیگر طبابت نشود.



Чи хуш буд фурсати будан канорат,
Чи хуш меҳру дуоҳои қаторат.
Бубин қисмат ду нимаи карда оча,
Танам дар шаҳру дил рӯйи мазорат...



چه خوش بود فرصت بودن کنارت،
چه خوش مهر و دعاهای قطارت.
ببین قسمت دو نیمم کرده آچه،
تنم در شهر و دل رویی مزارت.



*Гулҳо ба чаман, нигоҳи гулдӯзи ту ку?
Наврӯзи Аҷам расиду наврӯзи ту ку?
Гуфтам биравам, оча, сурогат ҳама ҷо,
Раҳ торику шамъи қалби шабсӯзи ту ку?*



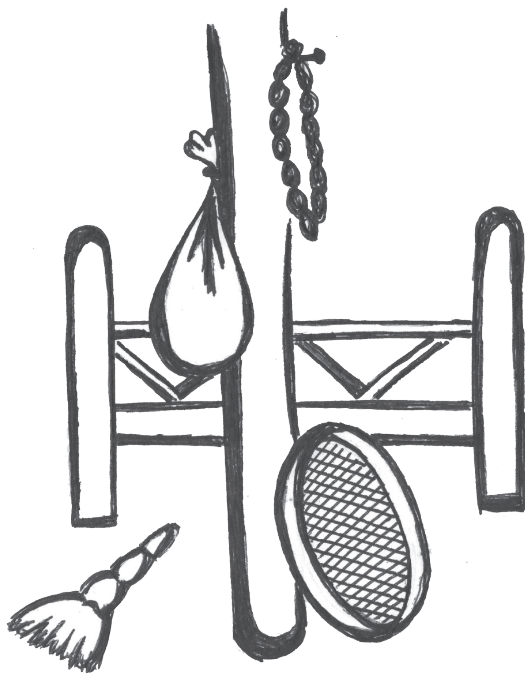
گلها به چمن، نگاه گلدوز تو کو؟
نوروز عجم رسید و نوروز تو کو؟
گفتم بروم، آچه، سراغت همه جا،
ره تاریک و شمع قلب شبسوز تو کو؟



*Гофил буда мо зи розҳои дили ту,
Бебаҳра зи файзи суҳбату маҳфили ту.
Роҳи ту буд, оча, хонаву гӯшаи кат,
Холист кунун ҷойи ту дар манзили ту.*



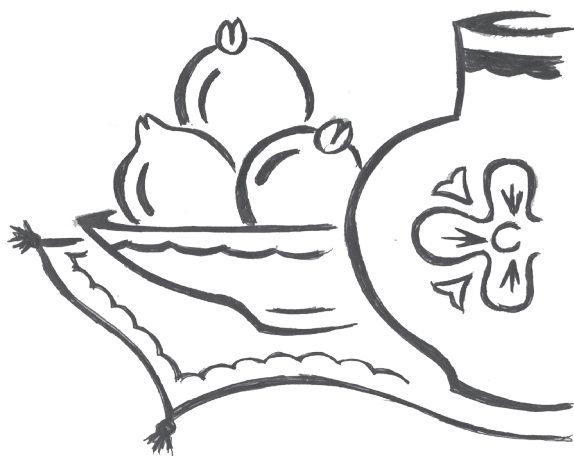
غافل بوده ما ز رازهای دل تو،
بی بهره ز فیض صحبت و محفل تو.
راه تو بود، آچه، خانه و گوشهٔ کت،
خالی است کنون جای تو در منزل تو.



Дар ёди ман он чеҳраи маҳтоби ту монд,
Он чеҳраи маҳтоби хуштоби ту монд.
Як кӯзача гам панаҳ ба хоки дили ман,
Гулдони дилам ба хонаи хоби ту монд.



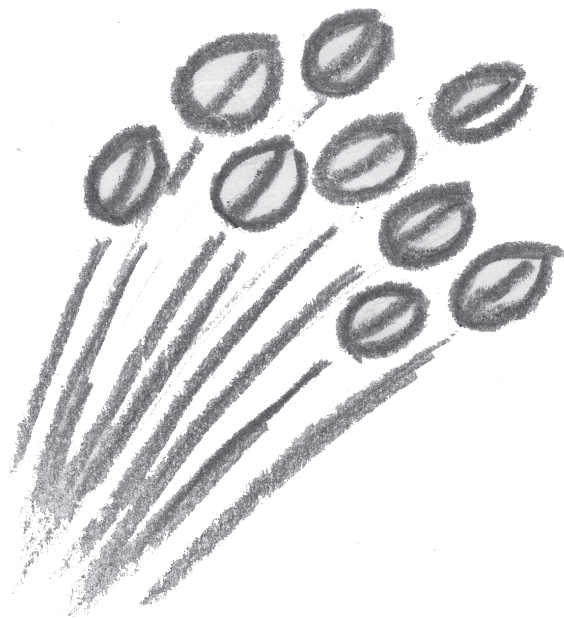
در یاد من آن چهره مهتاب تو ماند،
آن چهره مهتابی خوشتاب تو ماند.
یک کوزه چه غم پنه به خاک دل من،
گلدان دلم به خانه خواب تو ماند.



*Кай ойӣ дигар зи роҳи дурат, модар?
Пинҳон зи назар рӯйи ба нурат, модар.
Як қабза барам лолаи армону ниҳам,
Дар пояи санги рӯйи гӯрат, модар.*



کی آیی دیگر ز راه دورت، مادر؟
پنهان ز نظر روی به نورت، مادر.
یک قبضه برم لاله ارمان و نهم،
در پایه سنگ روی گورت، مادر.



Хобат дидам, ки дар чаман мегаиштӣ,
Байни гулу мушқу ёсуман мегаиштӣ.
Чун давраи бегамии тифлӣ, модар,
Бигрифта зи банди дасти ман мегаиштӣ.



خوابت دیدم، که در چمن می‌گشتی،
بین گل و مشک و یاسمن می‌گشتی.
چون دوره بی‌غمی طفلی، مادر،
بگرفته ز بند دست من می‌گشتی.



Дастам нарасад ба домани маҳ, оча,
Дунё ҳама бе ту як пари қаҳ, оча.
Қадри ту баланду ҷойгоҳи ту баланд,
Гӯрат зи фурутанӣ сари раҳ, оча.



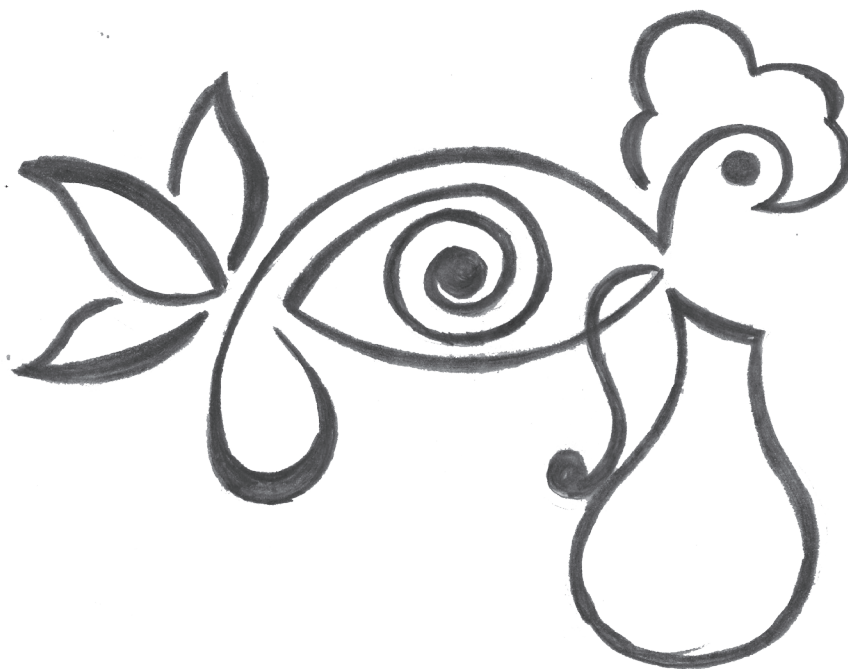
دستم نرسد به دامن مه، آچه،
دنیا همه بی تو یک پر که، آچه.
قدر تو بلند و جایگاه تو بلند،
گورت ز فوروتنی سر ره، آچه.



Умрам пайи ҳар зиёну ҳар суд бигузашт,
Бо модариям чу мавсими муд бигузашт.
Пешиаш бинишастану сухан бишинидан,
Давре буду ин давр аҷаб зуд бигузашт.



عمرم پی هر زیان و هر سود بگذشت،
با مادریم چو موسم مود بگذشت.
پیشش بنشستن و سخن بشنیدن،
دوری بود و این دور اجب زود بگذشت.



Омад баҳору н-омад, модар ба хонаи худ,
Мо дар гами замона, ӯ дар замонаи худ.
Норафтнам ба деҳа садҳо баҳонае дошт,
ӯ рафту ман намурдам аз ҳар баҳонаи худ.



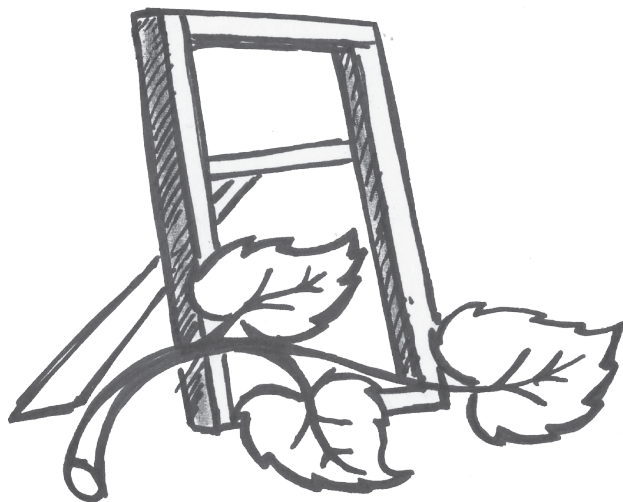
آمد بهار و نا-مد، مادر به خانه خود،
ما در غم زمانه، او در زمانه خود.
نارفتنم به دیهه صدها بهانه‌ای داشت،
او رفت و من نمردم از هر بهانه خود.



Ҷуз сурати ту нест ба қошонаи ту,
Хушрӯ набувад чун буданат хонаи ту.
Пур гаишта маро чашмаи чашмонаму лек,
Холӣ чу дилам сабӯву паймонаи ту.



جز صورت تو نیست به کاشانه تو،
خوشرو نبود چون بودنت خانه تو.
پُر گشته مرا چشمه چشمانم و لیک،
خالی چو دلم سبو و پیمانۀ تو.



Сад рӯзу шабе, ки бе ту дармегузарад,
Бо хуни дилу ба чашми тар мегузарад.
Чанд соли дигар, оча, агар зинда манам,
Умрам чу ниҳоли бесамар мегузарад.



صد روز و شبی، که بی تو درمی‌گذرد،
با خون دل و به چشم تر می‌گذرد.
چند سال دیگر، آچه، اگر زنده منم،
عمرم چو نهال بی‌ثمر می‌گذرد.



Оча, дили рӯз ё шаби маҳтов биё,
Аз роҳи калон ё раҳи сангов биё.
Бе қулчаву нон биёву бе остини пур,
Як лаҳза маро ба хона ё хов биё.



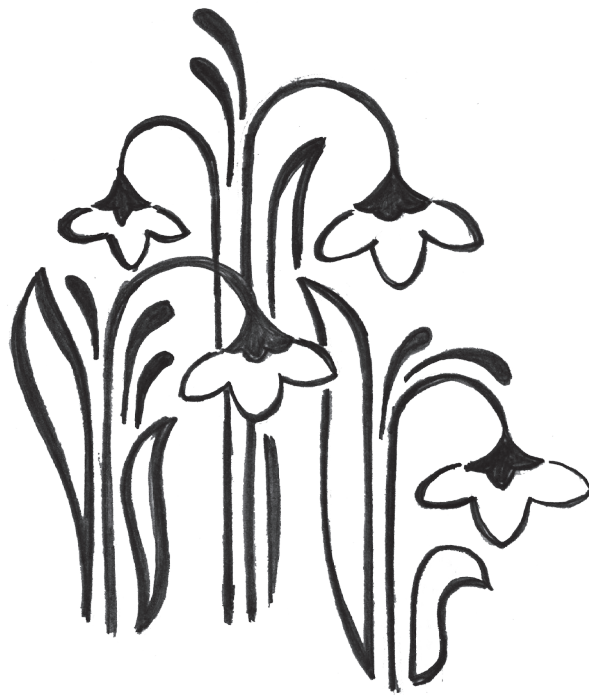
آچه، دل روز يا شب مهتاو بيا،
از راه کلان يا ره سنگاو بيا.
بی کولچه و نان بيا و بی آستين پُر،
یک لحظه مرا به خانه يا خاو بيا.



Ҷону дили хаста, оча, пазмони ту аст,
Ҳайрони ману сурати ҳайрони ту аст.
Ширинии коми ман ба ҳар ҷо бошам,
Аз маззаи ширбиринҷу ҳам нони ту аст.



جان و دل خسته، آچه، پزمان تو است،
حیران من و صورت حیران تو است.
شیرینی کام من به هر جا باشم،
از مزّه شیربرنج و هم نان تو است.



Зи роҳи дарду ғам партовӣ, оча
Кадом вақте ки оям, ховӣ, оча.
Саҳар дар сояи ду арчаву шаб,
Бе зери кӯрпаи маҳтовӣ, оча.



З راه درد و غم پرتاوی، آچه،
کدام وقتی که آیم، خاو، آچه.
سحر در سایه دو ارچه و شب،
بی زیر کورپه مهتاوی، آچه.



Покии раҳам зи покии нони ту буд,
Пайванд ба ҷони бачаат ҷони ту буд.
Ҳар ҷой, ки луқмаи ҳалоле ёфтам,
Чун қулчаи нимгазида аз хони ту буд.



پاکی رهم ز پاکی نان تو بود،
پیوند به جان بچہات جان تو بود.
هر جای، که لقمهٔ حلالی یافتم،
چون کولچهٔ نیمگزیده از خوان تو بود.



Омад баҳору рафт баҳорат ҳамешагӣ,
Дил дар хумори чаими хуморат ҳамешагӣ
Холӣ зи ту канораму як рӯз модарам,
Пур мекунам қатору канорат ҳамешагӣ.



آمد بهار و رفت بهارت همیشگی،
دل در خمار چشم خمارت همیشگی.
خالی ز تو کنارم و یک روز مادرم،
پُر می‌کنم قطار و کنارت همیشگی.



*Не зӯриву не зораву не зевару зар,
Не муъҷизаву сеҳру на бар он бовар.
Мо бо ду назар шудем назаркардаи давр-
Аввал назари Худо, дуюм аз Модар.*



نه زوری و نه زاره و نه زیور و زر،
نه معجزه و سحر و نه بر آن باور.
ما با دو نظر شدیم نظر کرده دور-
اول نظر خدا، دوم از مادر.



*Маҳсули умри дони ҷав хушаи ҷав мешавад мудом,
Ҷӯбе ки рост бувад появу рав мешавад мудом.
Нав менашавад куртаи читат ба сандуқам,
Оча, гами ту куҳнаву нав мешавад мудом.*



محصول عمر دانه جو خوشه جو مي شود مدام،
چوبي که راست بود پايه و رو مي شود مدام.
نو مي نشود کرته چيئت به صندوقم،
آچه، غم تو کهنه و نو مي شود مدام.



*Ғам саҳар ҳамраҳи бод омада буд,
Дар паяи хона ба дод омада буд.
Модарам дар раҳи масҷид ба шитоб,
Ту гӯйи Суфӣ Мурод омада буд.*



غم سحر همرة باد آمده بود،
در پیش خانه به داد آمده بود.
مادرم در ره مسجد به شتاب،
تو گویی صوفی مراد آمده بود.



Оча, бо омади хуршед, биё,
Ба сарат чодари испед, биё.
Раҳаки Қалъаи Сангин чӣ дароз,
Дам бигир дар таҳаки бед, биё.



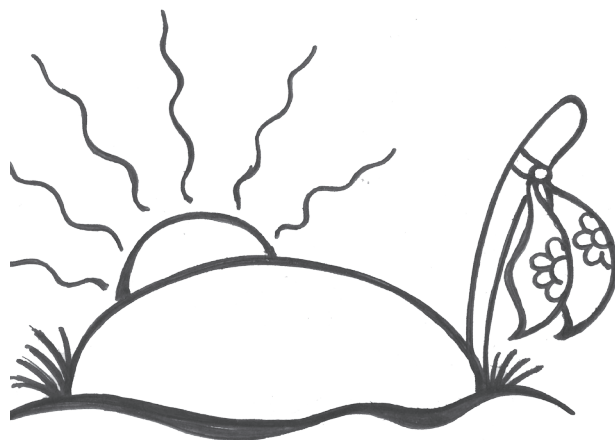
آچه، با آمد خورشید، بیا،
به سرت چادر اسپید، بیا.
رهک قلعهٔ سنگین چه دراز،
دم بگیر در تهک بید، بیا.



*Ку оча дигар файз зи баъди сари ту?
Ку меҳр, ки мекашид маро бар дари ту?
Сол пойидаму наомадиву як рӯз,
Ман рафтаву хона мегирам дар бари ту.*



کو آچه دیگر فیض ز بعد سر تو؟
کو مهر، که می کشید مرا بر در تو؟
سال پاییدم و نیامدیو یک روز،
من رفته و خانه می گیرم در بر تو.



Субҳон Ҷалилов

СУБҲОН ҶАЛИЛОВ

61 АЛАМИ БЕМОДАРӢ

Мухаррири техникӣ **А. Восеъ**
Тарроҳ ва саҳифабанд **С.Кабиров**
Рассом **Н. Шоев, Тохир Назар**
Мусахех **С. Шарипов**

ISBN 978-99975-349-8-9



9 789997 534989